



डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर

प्रशासनिक खण्ड नागौर रोड, कडवड़, जोधपुर (पिन नं. 342037)
Web site : www.raujodhpur.org E-mail: rau_jodhpur@yahoo.co.in

क्रमांक : रा.आ.वि./एके./एफ-1/ए/1

कार्यालय आदेश

निदेशक, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा निम्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की समीक्षा हेतु निवेदन करने पर एवं आयुष विभाग भारत सरकार, नई दिल्ली के पत्र क्रमांक R-1711/184/2014-EP (IM-1) दिनांक 19.08.14 के द्वारा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के 14 विभागों हेतु सत्र 2014-15 के लिए 104 सीटों पर सशर्त अनुमति प्रदान करने एवं विद्या परिषद् के उपवेशन दिनांक 22 सितम्बर 2014 के तहत सत्र 2014-15 के लिए निम्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में अस्थाई सम्बलता हेतु अनुमोदित किया जाने के फलस्वरूप सशर्त सम्बलता प्रदान की जाती है।

क्र.सं.	विभाग का नाम	स्वीकृत सीटें
1.	मौलिक सिद्धान्त	08
2.	रचना शारीर	08
3.	क्रिया शारीर	07
4.	द्रव्यगुण	08
5.	रसशास्त्र एवं भेषज्य कल्पना	08
6.	कीमत्तुभृत्य	09
7.	कार्यचिकित्सा	07
8.	स्वास्थ्यशास्त्र	09
9.	रोग निदान	07
10.	शल्य तन्त्र	08
11.	पंचकर्म	07
12.	शालाक्य तन्त्र	07
13.	प्रसूति एवं स्त्री रोग	06
14.	अगद तंत्र	07
	योग	104

क्रमांक :- रा.आ.वि./एके./एफ-1/ए/1

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित है :

1. निजी सचिव, माननीय कुलपति महोदय, डॉ. एस.आर. राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर
2. सचिव, भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद्, 61-65, संस्थागत क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली
3. संयुक्त शासन सचिव, आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा विभाग, शासन सचिवालय, जयपुर
4. निदेशक, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर
5. परीक्षा नियन्त्रक, डॉ. एस.आर. राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर

10/06/2015



डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर

प्रशासनिक खण्ड नागौर रोड, कडवड, जोधपुर (पिन नं. 342037)
Web site : www.raajodhpur.org, E-mail : raajodhpur@yahoo.co.in

क्रमांक :- रा.आ.वि./एके./एफ-1/ए/()/ 333

दिनांक :-

कार्यालय आदेश

निदेशक, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा निम्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की सम्बद्धता हेतु निर्देशन कार्यालय पर एवं आयुष विभाग भारत सरकार, नई दिल्ली के पत्र क्रमांक R-1711/184/2015-EP (IM-1) दिनांक 15.10.15 के द्वारा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के निम्न 11 विभागों हेतु सत्र 2015-16 के लिए 83 सीटों पर सशर्त अनुमति प्रदान करने एवं विद्या परिषद् के उपवेशन दिनांक 07 अगस्त 2015 के तहत सत्र 2015-16 के लिए निम्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में आरक्षित सम्बद्धता हेतु अनुमोदित किया जाने के फलस्वरूप विभाग के सामने अंकित सीटों पर सशर्त सम्बद्धता प्रदान की जाती है :-

क्र.सं.	विभाग का नाम	रखीकृत सीटें
1.	मौखिक शिक्षा	08
2.	रचना शरीर	07
3.	इन्द्रिय	08
4.	रसशास्त्र एवं शेषज्य वृत्त	09
5.	कषयचिकित्सा	09
6.	स्थस्यवृत्त	07
7.	रोग निदान	08
8.	शल्य चिकित्सा	07
9.	पंचकर्म	07
10.	प्रसूति एवं स्त्री रोग	07
11.	अग्नि तंत्र	06
	कुल	83

कुलसचिव

क्रमांक :- रा.आ.वि./एके./एफ-1/ए/()/

दिनांक :-

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :-

1. निजी सचिव, माननीय कुलपति महोदय, डॉ. एस.आर. राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर
2. सचिव, भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद्, 61-65, संस्थागत क्षेत्र, जनकपुरी डी-ब्लॉक, नई दिल्ली 110058
3. संयुक्त शासन सचिव, आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा विभाग, शासन सचिवालय, जयपुर
4. निदेशक, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर
5. परीक्षा नियन्त्रक, डॉ. एस.आर. राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर

10/06/2016



डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर

प्रशासनिक खण्ड नागौर रोड, कडवड़, जोधपुर (पिन नं. 342004)
Web site: www.raajasthanayurvedvishwavidyalaya.org E-mail: raajasthanayurvedvishwavidyalaya@gmail.com

क्रमांक :- रा.आ.वि./एके./एफ-1/ए/1

कार्यालय आदेश

निदेशक, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा निम्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की सम्बद्धता हेतु निवेदन करने पर एवं आयुष विभाग भारत सरकार, नई दिल्ली के पत्र क्रमांक R-17011/184/2016-EP (IM-1) दिनांक 14.10.16 के द्वारा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के निम्न 14 विभागों हेतु सत्र 2016-17 के लिए 104 सीटों का अनुमति प्रदान करने एवं विद्या परिषद् के उपपेशन दिनांक 19 अगस्त 2016 में लिए गए निर्णयानुसार सत्र 2016-17 के लिए निम्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में सम्बद्धता हेतु अनुमोदित किया जाने के फलस्वरूप विभाग, के मादरे विद्युत सीटों पर सम्बद्धता प्रदान की जाती है :-

क्र.सं.	विभाग का नाम	स्वीकृत सीटें
1.	भौतिक सिद्धान्त	08
2.	रचना शरीर	07
3.	द्रव्यगुण	08
4.	रसगीत एवं वैषज्य कल्पन	09
5.	कार्यचिकित्सा	09
6.	स्वस्ववृत्त	07
7.	रोग निदान	08

क्र.सं.	विभाग का नाम	स्वीकृत सीटें
8.	शल्य चिकित्सा	07
9.	पञ्चकर्म	08
10.	प्रसूति एवं स्तन चिकित्सा	07
11.	अंगद तंत्र	08
12.	कौमारभूत	07
13.	शालाक्य तंत्र	06
14.	क्रिया शरीर	08

क्रमांक :- रा.आ.वि./एके./एफ-1/ए/1

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :-

1. निजी सचिव, माननीय कुलपति महोदय, डॉ. एस.आर. राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर
2. सचिव, भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद्, 61-65, संस्थागत क्षेत्र, जगतपुरी डी ब्लॉक, नई दिल्ली
3. संयुक्त शासन सचिव, आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा विभाग, शासन सचिवलय, जयपुर
4. निदेशक, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर
5. परीक्षा नियन्त्रक, डॉ. एस.आर. राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर
6. सहायक निदेशक, डॉ. एस.आर. राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर

10/06/2019



डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर

प्रशासनिक खण्ड नागीर रोड, कडवड़, जोधपुर (पिन नं. 342037)

Web site : www.raujodhpur.org , E-mail- rau_jodhpur@yahoo.co.in

क्रमांक - रा.आ.वि./एके./एफ-1/ए/1/ 1/

कार्यालय आदेश

निदेशक, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर द्वारा निम्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की सम्बद्धता हेतु निवेदन करने पर एवं आयुष विभाग भारत सरकार, नई दिल्ली के पत्र क्रमांक R-17011/184/2016-EP (IM-1) दिनांक 14.10.16 के द्वारा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के निम्न 14 विभागों हेतु सत्र 2017-18 के लिए 104 सीटों पर सशर्त अनुमति प्रदान करने एवं विद्या परिषद् के उपवेशन दिनांक 12 सितम्बर 2017 के तहत सत्र 2017-18 के लिए निम्न स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में अस्थाई सम्बद्धता हेतु अनुमोदित किया जाने के फलस्वरूप विभाग के सामने अंकित सीटों पर सम्बद्धता प्रदान की जाती है :-

क्र.सं.	विभाग का नाम	स्वीकृत सीटें	क्र.सं.	विभाग का नाम	स्वीकृत सीटें
1.	भौतिक सिद्धान्त	08	8.	शैत्य तन्त्र	07
2.	रचना शरीर	07	9.	पंचकर्म	07
3.	ब्रह्मगुण	08	10.	प्रसूति एवं स्त्री रोग	07
4.	रसशास्त्र एवं वैषज्य कल्पना	09	11.	अग्नि तंत्र	06
5.	कार्यचिकित्सा	09	12.	कौमारभृत्य	07
6.	स्वस्थवृत्त	07	13.	शास्त्रनयन	06
7.	रोग निदान	08	14.	क्रिया शरीर	07

क्रमांक :- रा.आ.वि./एके./एफ-1/ए/1/ 6229-6288

कुलसचिव
दिनांक: 10/10/17

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :-

1. निजी सचिव, माननीय कुलपति महोदय, डॉ. एस.आर. राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर
2. सचिव, भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद्, जवाहर लाल नेहरू भारतीय चिकित्सा एवम् होम्योपैथी अनुसंधान भवन, 61-65, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली
3. संयुक्त शासन सचिव, आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा विभाग, शासन सचिवालय, जयपुर
4. निदेशक, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर
5. प्रभारी, पी.ए.टी. शाखा, डॉ. एस.आर. राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर

10/10/2017

No.R-17011/184/2014-EP (IM-1)
Government of India
Ministry of Health and Family Welfare
Department of AYUSH

By Speed Post/Tax/E-mail
Conditional Permission

AYUSH BHAWAN,
B-Block, GPO Complex,
INA, New Delhi - 23
Dated: 19.08.2014

To

The Director,
National Institute of Ayurveda,
Madhav Vilas Palace, Amer Road,
Jaipur-302002, Rajasthan,
Fax no.: 0141-2635709,
E-mail: nia-rj@nic.in

Sub: Grant of conditional permission to the National Institute of Ayurveda, Jaipur, Rajasthan for UG (BAMS) course with 92 seats and 104 seats in 14 PG courses i.e. (i) Ayurveda Siddhant (8 seats), (ii) Rasashastra & Bhaishajya Kalpana (9 seats), (iii) Kaumarbhritya (7 seats), (iv) Panchakarma (7 seats), (v) Shalakya Tantra (6 seats), (vi) Rachana Sharir (7 seats), (vii) Kriya Sharir (8 seats), (viii) Dravyaguna (8 seats), (ix) Kayachikitsa (9 seats), (x) Swasthavritta (7 seats), (xi) Roganidan (8 seats), (xii) Shalya Tantra (7 seats), (xiii) Prasuti & Striroga (7 seats) and (xiv) Agadtantra (6 seats) under Section 13C/13A of the IMCC Act, 1970 for the academic session 2014-15 - reg.

Sir,

I am directed to refer to the Department's order No.R.17011/184/2013-EP (IM-1) dated 27.09.2013 related to admission matter for the year 2013-14 intimating certain shortcomings for rectification for consideration of the case for the academic session 2014-15.

2. The CCIM had carried out an inspection of the institution on 05-06.02.2014 to reassess the available facilities of teaching and practical training as well as to verify the compliance submitted by the college and forwarded its recommendations and report to the Department. On examining the same, it was observed that the required teacher student ratio is not available in the Department of Dravyaguna for existing 8 seats. Therefore, an opportunity of hearing was given to the college on 24.07.2014 to present the case.

3. The Observation of Hearing Committee based on the submissions made by the college during hearing, the recommendations and visitation report of the CCIM have been carefully examined in terms of the "Indian Medicine Central Council (Minimum Standard Requirements of Ayurveda Colleges and attached Hospitals) Regulations, 2012 read with amendment Regulations of 2013, provisions under the IMCC Act, 1970, relevant regulations made thereunder and as per approval of the Hon'ble HFM on criteria for grant of conditional permission to ASU colleges for taking admissions in the UG/PG course(s) for the academic session 2014-15 vide Department's letter No.R.11011/10/2013-EP (IM-1) dated 17.06.2014 (available at Department's website <indianmedicine.nic.in>) and it is found that the College is fulfilling the notified and approved criteria as follows:-

(i) Teachers:

- For UG course: 90% eligible teachers, minimum 19 Higher Faculty (Professor/Reader) in 14 departments, at least 1 HF + 1 L in each of 14 Departments and 09 Part time teachers.

3.08.2014

Contd....2-

10/06/2014

No.R-17011/184/2014-EP (IM-1)

:: 2 ::

- b. For PG course(s): In addition to the UG course, 1 Higher Faculty + 1 Lecturer in the concerned PG department, fulfillment of teacher-student ratio (1:3 for Professor, 1:2 for Reader and 1:1 for Lecturer);

(ii) Beds in hospital:

- a. Minimum 100 beds in hospital of Colleges for UG course for 61-100 seats;
b. Minimum 100 bedded hospital for PG Colleges of Ayurveda + 1:4 student-bed ratio for each PG clinical seat over the total requirement of beds for intake capacity of UG students;

(iii) Minimum 200 patients per day in OPD during the year 2013 for 61-100 UG seats;(iv) 50% bed occupancy for PG Colleges in IPD during the year 2013;(v) Equipment and instruments: Minimum 90% of required equipment as specified under the schedule VII of MSR; and

(vi) Fulfilment of provisions including staff requirement under relevant PG Education Regulations.

4. It has, therefore, been decided to grant conditional permission to the National Institute of Ayurveda, Jaipur, Rajasthan for UG (BAMS) course with 92 seats and 104 seats in 14 PG courses i.e. (i) Ayurveda Samhita & Siddhant (8 seats), (ii) Rasashastra & Bhaishajya Kalpana (9 seats), (iii) Kaumarbhritya (7 seats), (iv) Panchakarma (7 seats), (v) Shalakya Tantra (6 seats), (vi) Rachana Sharir (7 seats), (vii) Kriya Sharir (8 seats), (viii) Dravyaguna (8 seats), (ix) Kayachikitsa (9 seats), (x) Swasthavritta (7 seats), (xi) Roganidan (8 seats), (xii) Shalya Tantra (7 seats), (xiii) Prasuti & Striroga (7 seats) and (xiv) Agadtantra (6 seats) (the seats in said PG courses will be subjected to the availability of eligible PG teachers for PG in concerned department as per PG regulations) for the academic session 2014-15 under section 13C/13A of the IMCC Act, 1970 subject to the condition that the college shall fulfill the following conditions by 31st December, 2014 which will be verified for granting permission from the academic session 2015-16 onwards (a copy of Assessment Sheet of CCIM is also enclosed):

- (i) All the Minimum Standard Requirements of infrastructure and teaching & training facilities as specified in Regulation 3 of the "Indian Medicine Central Council (Minimum Standard Requirements of Ayurveda Colleges and attached Hospitals) Regulations, 2012" read with amendment Regulations of 2013 by 31st December 2014 to get permission for a period not exceeding five years. Failing which, as per Sub-regulation (4) of Regulation 3 of Regulations namely the "Indian Medicine Central Council (Minimum Standard Requirements of Ayurveda Colleges and attached Hospitals) Regulations, 2012" read with amendment

Contd. ... 36

Jaimee Jalee

10/06/2014

No.R-17011/184/2014-EP (IM-1)

3

Regulations of 2013, "All the existing colleges, which are not able to achieve full compliance of the requirement as specified in these regulations by the 31st December, 2014, shall be denied permission from academic year 2015-16 onwards and action as envisaged under section 21 of the Act shall be initiated against all such colleges apart from rejection of their applications under sections 13A or 13C, which have been under consideration by way of conditional permissions or denials".

(ii) All the requirements under the provisions of the IMCC Act, 1970 and relevant Regulations made thereunder should be fulfilled in toto.

5. The fulfillment of the conditions attached to the permission given above may be made within the time period specified and compliance report should be submitted to the Department of AYUSH endorsing a copy to the CCIM also. The CCIM will verify by means of an inspection that the conditions have been fulfilled and submit a report in this matter to the Department of AYUSH for considering the permission matter from the session 2015-16.

6. This issues with the approval of competent authority.

Encl: As above

Yours faithfully,

Jasmine James

(Jasmine James)

Under Secretary to the Government of India

Ph. No. 011-24651975

Copy to:

- i. The Secretary, CCIM, 61-65 Institutional Area, Opp. 'D' Block, Janakpuri, Delhi-110 058 for information with request to conduct a *suo moto* inspection of the college after 31st December, 2014 to verify the compliance submitted by the college in terms of the provisions under the IMCC Act, relevant regulations and norms of the CCIM and shall submit the recommendations and inspection report to the Department of AYUSH by the end of March, 2015 positively, so that the matter with regard to grant of permission from the academic session 2015-16 may be considered well before the start of next academic session.
- ii. The Additional Chief Secretary, Department of Ayurveda and Indian Medicine, Government Secretariat, Govt. of Rajasthan, Jaipur-302001, Rajasthan for information
- iii. The Registrar, Dr. Sarvapalli Radhakrishnan Rajasthan Ayurved University, Kadiwad, Nagaur Highway, Jodhpur- 342 037, Rajasthan for information.

Jasmine James

(Jasmine James)

Under Secretary to the Government of India

Ph. No. 011-24651975

10/06/2014

Conditional Permission with undertaking

संख्या/F No. R-17011/184/2015-EP (IM-1)

भारत सरकार

Government of India

आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, घुनाती, सिद्ध एवं होम्योपैथी मंत्रालय (आयुष)

Ministry of Ayurveda, Yoga & Naturopathy, Unani, Siddha and Homoeopathy (AYUSH)

"आयुष भवन", "AYUSH BHAWAN"

"बी" ब्लॉक, सी.पी.ओ. कॉम्प्लेक्स, आई.एन.ए., नई दिल्ली-110 023

'B' Block, GPO Complex, INA, New Delhi-110 023

दिनांक/Dated: 15.10.2015

To

The Director,
National Institute of Ayurveda,
Madhav Vilas Palace, Amer Road,
Japir-302002, Rajasthan,
Fax no.: 0141-2635709,
E-mail: nia_rj@nic.in, Website: www.nia.nic.in

Sub: Grant of conditional permission for 92 seats in UG (BAMS) course 83 seats in 11 PG courses namely (i) Ayurveda Siddhant (8 seats), (ii) Rasashastra & Bhaishajya Kalpana (9 seats), (iii) Panchakarma (7 seats), (iv) Rachana Sharir (7 seats), (v) Dravyaguna Vigyana (8 seats), (vi) Kayachikitsa (9 seats), (vii) Swasthavritta & Yoga (7 seats), (viii) Roga Nidan avum Vikriti Vigyan (8 seats), (ix) Shalya Tantra (7 seats), (x) Prasuti & Stri Roga (7 seats) and (xi) Agad Tantra avum Vidhi Vaidyaka (6 seats) and denial of permission for 21 seats in 03 PG courses namely (i) Kriya Sharir (8 seats), (ii) Shalakya Tantra (6 seats) & (iii) Kaumarbhritya (7 seats) to the National Institute of Ayurveda, Japir, Rajasthan under Section 13C/13A of the IMCC Act, 1970 for the academic session 2015-16 - reg.

Sir,

I am directed to refer to the then Department's order No. R.17011/184/2014-EP (IM-1) dated 19.08.2014 related to admission matter for the year 2014-15 intimating certain shortcomings for rectification for consideration of the case for the 2015-16 session.

2. The CCIM had carried out an inspection of the institution on 28-29.01.2015 to reassess the available facilities of teaching and practical training as well as to verify the compliance submitted by the college and forwarded its recommendations and report to this Ministry. On examining the same, it was observed that the required number of Higher Faculty in the college, required Clinical Registrars in Hospital, required teacher student ratio in Kaumarabhritya Department, required 1 HF 1L in addition to the UG requirement in the departments of Kaumarabhritya & Shalakya Tantra, required number of part time teachers in the college etc. are not available as per MSR. Therefore, an opportunity of hearing was given to the college on 29.09.2015 to present the case.

The Observation of Hearing Committee based on the submissions made by the college during hearing, the recommendations & visitation report of the CCIM and undertaking dated 29.09.2015 submitted by the college to the Ministry to avail relaxation in respect of Part Time teachers have been carefully examined in terms of the "Indian Medicine Central Council Minimum Standard Requirements of Ayurveda Colleges and attached Hospitals) Regulations, 2012 read with amendment Regulations of 2013, provisions under the IMCC Act, 1970, relevant regulations made thereunder and as per approval of the Hon'ble MoS (IC) for the UG/PG course(s) grant of conditional permission for the academic session 2015-16 vide Ministry letter R.11011/01/2015-EP (IM-1) dated 05.05.2015 (available at Ministry's website indianmedicine.nic.in) and it is found that the College is fulfilling the notified and approved criteria as follows:-

Jaspreet Singh

Page 1 of 3

slk 10/06/2015

5. However, on the examining the case, it was observed that college is having only 30 Higher Faculty against the requirement of minimum 33, no Clinical Registrars against the requirement of 09, only 01 Professor and 03 Lecturers in Kaumarbhritya department, only 01 Reader and 03 Lecturers in Shalakya Tantra department, only 07 part time teachers against the requirement 09 etc. Therefore, under provisions of the first proviso to sub-section (5) of section 13A of the IMCC Act, 1970, an opportunity of hearing was granted to the college on 29.09.2015. The college through its representatives appeared before the Hearing Committee. In view of the observation of the hearing committee based on submission made by the college during hearing and the recommendations and visitation report of the CCIM, it can be understood that as per the notified and approved criteria for 2015-16 session as mentioned in para - 3 above, the college has not produced sufficient documents to substantiate their claim of having required number of total 33 higher faculty in the college, required teacher student ratio for existing 07 seats in the department of Kaumarbhritya, at least 1 HF + 1 Lecturer in addition to the UG requirement in 02 departments namely Kaumarbhritya & Shalakya Tantra and the representatives of the college have requested for permission for 92 UG seats & 11 PG courses and given sequential order of preference for UG/PG courses for consideration. It has, therefore, been decided to deny the permission for 21 seats in 03 PG courses namely (i) Kriya Sharir (8 seats), (ii) Shalakya Tantra (6 seats) & (iii) Kaumarbhritya (7 seats) for the academic session 2015-16.

6. The fulfillment of the conditions attached to the permission given above may be made within the specified time period and compliance report should be submitted to the Ministry of AYUSH endorsing a copy to the CCIM also. The CCIM will verify by means of an inspection that the conditions have been fulfilled and submit a report in this matter to the Ministry of AYUSH for considering the permission matter from the session 2016-17.

7. This issues with the approval of Competent Authority

Yours faithfully,

Jasmine James

(Jasmine James)

Under Secretary to Government of India

Ph. No. 011-24651975

Copy to:

- i. The Secretary, CCIM, 61-63 Institutional Area, Opp. 'D' Block, Janakpuri, Delhi-110 058 for information with request to conduct a suo moto inspection of the college after 31st December, 2015 to verify the compliance submitted by the college in terms of the provisions under the IMCC Act, relevant regulations and norms of the CCIM and shall submit the recommendations and inspection report to the Ministry of AYUSH by the end of March, 2016 positively, so that the matter with regard to grant of permission from the academic session 2016-17 may be considered well before the start of next academic session.
- ii. The Principal Secretary, Health & Family Welfare Department, Govt. of Rajasthan, Sachivalaya, Jaipur-302001, Rajasthan for information with request to ensure that no admissions are made in 03 PG courses namely (i) Kriya Sharir (8 seats), (ii) Shalakya Tantra (6 seats) & (iii) Kaumarbhritya (7 seats) in the College during the academic session 2015-16.
- iii. The Registrar, Dr. Sarvapalli Radhakrishnan Rajasthan Ayurved University, NH 65, Nagour Road, Karwar, Jodhpur- 342 037, Rajasthan for information with request to ensure that no admissions are made in 03 PG courses namely (i) Kriya Sharir (8 seats), (ii) Shalakya Tantra (6 seats) & (iii) Kaumarbhritya (7 seats) in the College during the academic session 2015-16.

Jasmine James

(Jasmine James)

Under Secretary to Government of India

Page 3 of 3

10/06/2016

F.No. R-17011/184/2015-EP (M-1)

- (i) Teachers:
- For UG course: 90% eligible teachers, minimum 19 Higher Faculties (Professor/Reader) in 14 Departments in the college, at least 01Hr + 01L in each of 14 Departments for 61-100 UG seats and 09 part time teachers after availing relaxation by undertaking;
 - For PG course(s): In addition to the UG course, 1 Higher Faculty + 1 Lecturer in the concerned PG department, fulfillment of teacher-student ratio (1:3 for Professor, 1:2 for Reader and 1:1 for Lecturer);
- (ii) Beds in hospital:
- Minimum 100 beds in hospital of college for 61-100 UG seats;
 - Minimum 100 bedded hospital for PG Colleges of Ayurveda and additional beds in 1:4 student-bed ratio for each PG clinical seat over the total requirement of beds for UG students intake capacity;
- (iii) Minimum 200 patients per day in OPD during the year 2014 for 61-100 UG seats;
- (iv) 40% bed occupancy for UG College and 50% for Colleges with PG course/s in IPD during the year 2014;
- (v) Equipment and instruments: Minimum 90% of required equipment as specified under the schedule VII of MSR; and
- (vi) Fulfillment of provisions including staff requirement under relevant PG Education Regulations.

4. It has, therefore, been decided by the Central Government to grant of conditional permission to National Institute of Ayurveda, Japiur, Rajasthan for 92 seats in UG (BAMS) course 83 seats in 11 PG courses namely (i) Ayurveda Siddhant (8 seats), (ii) Rasashastra & Bhaishajya Kalpana (9 seats), (iii) Panchakarma (7 seats), (iv) Rachana Sharir (7 seats), (v) Dravyaguna Vigyana (8 seats), (vi) Kayachikitsa (9 seats), (vii) Swasthavritta & Yoga (7 seats), (viii) Roga Nidan avum Vikriti Vigyan (8 seats), (ix) Shalya Tantra (7 seats), (x) Prasuti & Stri Roga (7 seats) and (xi) Agad Tantra avum Vidhi Vaidyaka (6 seats) (the seats in said PG courses will be subjected to the availability of eligible PG teachers for PG in concerned department as per PG regulations) and denial of permission for 21 seats in 03 PG courses namely (i) Kriya Sharir (8 seats), (ii) Shalakya Tantra (6 seats) & (iii) Kaumarbhritya (7 seats) for the academic session 2015-16 under section 13C/13A of the IMCC Act, 1970 subject to condition that the college shall fulfill the following requirements by 31st December, 2015 which will be verified for granting permission from the academic session 2016-17 (a copy of Assessment sheet of CCIM is also enclosed):

- All the Minimum Standard Requirements of infrastructure and teaching & training facilities as specified in Regulation 3 of the "Indian Medicine Central Council (Minimum Standard Requirements of Ayurveda Colleges and attached Hospitals) Regulations, 2012" read with amendment Regulations of 2013 by 31st December 2015 to get permission for a period not exceeding five years. Failing which, as per Sub-regulation (4) of Regulation 3 of Regulations namely the "Indian Medicine Central Council (Minimum Standard Requirements of Ayurveda Colleges and attached Hospitals) Regulations, 2012" read with amendment Regulations of 2013, "All the existing colleges, which are not able to achieve full compliance of the requirement as specified in these regulations by the 31st December, 2015, shall be denied permission from academic year 2016-17 onwards and action as envisaged under section 21 of the Act shall be initiated against all such colleges apart from rejection of their applications under sections 13A or 13C, which have been under consideration by way of conditional permissions or denials".
- All the requirements under the provisions of the IMCC Act, 1970 and relevant Regulations made thereunder should be fulfilled *in toto*.

J. Anand

Page 2 of 3

sel 10/06/2019

By Speed Post/Fax/E-mail
Permission for a period not exceeding 5 yrs.

संख्या/E.No. R-17011/184/2016-EP (IM-1)

भारत सरकार

Government of India

आयुर्वेद, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, सुनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी मंत्रालय (आयुष)
Ministry of Ayurveda, Yoga & Naturopathy, Unani, Siddha and Homoeopathy (AYUSH)

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर
National Institute of Ayurveda, Jaipur

"आयुष भवन", "AYUSH BHAWAN"

"बी" ब्लॉक, जी.पी.ओ. कॉम्प्लेक्स, आई.एन.ए., नई दिल्ली-110 023

"B" Block, GPO Complex, INA, New Delhi-110 023

दिनांक/Dated: 14.10.2016

To

The Director,
National Institute of Ayurveda,
Madhav Vilas Palace, Amer Road,
Japiur-302002, Rajasthan,
Fax no.: 0141-2635709,
E-mail: nia_rj@nic.in; Website: www.nia.nic.in

Sub: Grant of permission for a period not exceeding 05 years to the National Institute of Ayurveda, Japiur, Rajasthan for 92 seats in UG (BAMS) course 104 seats in 14 PG courses namely (i) Ayurveda Siddhant (8 seats), (ii) Rasashastra & Bhaishajya Kalpana (9 seats), (iii) Kaumarbhritya (7 seats), (iv) Panchakarina (7 seats), (v) Shalakya Tantra (6 seats), (vi) Rachana Sharir (7 seats), (vii) Kriya Sharir (8 seats), (viii) Dravyaguna Vigyana (8 seats), (ix) Kayachikitsa (9 seats), (x) Swasthavritta & Yoga (7 seats), (xi) Roganidhanavum Vikriti Vigyan (8 seats), (xii) Shalya Tantra (7 seats), (xiii) Prasuti & Striroga (7 seats) and (xiv) Agadtantra avum Vidhi Vaidyaka (6 seats) under Section 13C/13A of the IMCC Act, 1970 from the academic session 2016-17 to the academic sessions 2020-21-reg.

Sir,

I am directed to refer to the Ministry's order No. R.17011/184/2015-EP (IM-1) dated 15.10.2015 related to admission matter for the year 2015-16 intimating certain shortcomings for rectification for consideration of the case for the 2016-17 session.

2. The CCIM had carried out an inspection of the institution on 24.02.2016 to reassess the available facilities of teaching and practical training as well as to verify the compliance submitted by the college and forwarded its recommendations and report to this Ministry. On examining the same, it was observed that the required number of Higher Faculty, distribution of faculty in department, required IHF + IL in addition to the UG requirement in the departments of Shalakya Tantra, required Clinical Registrars in Hospital etc. are not available as per MSR. Therefore, an opportunity of hearing was given to the college on 29.09.2016 to present the case.

3. The Observation of Hearing Committee based on the submissions made by the college during hearing and the recommendations & visitation report of the CCIM have been carefully examined in terms of the "Indian Medicine Central Council (Minimum Standard Requirements of Ayurveda Colleges and attached Hospitals) Regulations, 2012 read with amendment Regulations of 2013, provisions under the IMCC Act, 1970, relevant regulations made thereunder and as per approval of the Hon'ble MoS (IC) for the UG/PG course(s) for grant of conditional permission for the academic session 2016-17 vide Ministry letters No.R.17011/91/2016-EP (IM-1) dated 12.08.2016 & 31.08.2016 (available at Ministry's website indianmedicine.mc.in) and it is found that the College is fulfilling the notified and approved criteria as follows:-

Page 1 of 3

F.No. R-17011/184/2016-EP (IM-I)

(i) Teachers:

- For UG course: 100% eligible teachers, 47-Higher Faculties (Professor/Reader) in 14 Departments in the college, 1P + 1R + 1L in each of 14 Dept. & 1L of Prasuti + 1L of Kayachikitsa + 1L of Sanskrit after considering the process initiated for recruitment of Professors & Associate Professors for 61-100 UG seats and 09 part time teachers;
- For PG course(s): In addition to the UG course, 1 Higher Faculty + 1 Lecturer in the concerned PG department, fulfillment of teacher-student ratio (1:3 for Professor, 1:2 for Reader and 1:1 for Lecturer);

(ii) Beds in hospital:

- Minimum 100 beds in hospital of college for 61-100 UG seats;
 - Minimum 100 bedded hospital for PG Colleges of Ayurveda and additional beds in 1:4 student-bed ratio for each PG clinical seat over the total requirement of beds for UG students intake capacity;
- (iii) Minimum 200 patients per day in OPD during the year 2015 for 61-100 UG seats;
- (iv) 40% bed occupancy for UG College and 50% for Colleges with PG course/s in IPD during the year 2015;
- (v) Equipment and instruments: Minimum 90% of required equipment as specified under the schedule VII of MSR; and
- (vi) Fulfillment of provisions including staff requirement under relevant PG Education Regulations.
- (vii) Other infrastructure and staff required as per the MSR Regulations of 2012 read with amendment Regulations of 2013, in addition to above requirements for grant of permission for a period not exceeding five years.

4. It has, therefore, been decided by the Central Government to grant permission under section 13C/13A of the IMCC Act, 1970 for a period not exceeding five years to National Institute of Ayurveda, Jaipur, Rajasthan for 92 seats in UG (BAMS) course 104 seats in 14 PG courses namely (i) Ayurveda Siddhanti (8 seats), (ii) Rasashastra & Bhaishajya Kalpana (9 seats), (iii) Kaumarbhritya (7 seats), (iv) Panchakarma (7 seats), (v) Shalakya Tantra (6 seats), (vi) Rachana Sharir (7 seats), (vii) Kriya Sharir (8 seats), (viii) Dravyaguna Vigyana (8 seats), (ix) Kayachikitsa (9 seats), (x) Swasthavritta & Yoga (7 seats), (xi) Roganidan avum Vikriti Vigyan (8 seats), (xii) Shalya Tantra (7 seats), (xiii) Prasuti & Striroga (7 seats) and (xiv) Agadtantra avum Vidhi Vaidyaka (6 seats) (the seats in said PG courses will be subjected to the availability of eligible PG teachers for PG in concerned department as per PG regulations) from the academic session 2016-17 to the academic session 2020-21 with following instructions:

- That the college shall appoint teachers and hospital staff as committed during the hearing;
- that the college shall obtain the NABH accreditation for the Hospital within one year and the NAAC accreditation for the College within two years from the issuance of the permission letter and the college shall submit its compliance to this Ministry as well as to the CCIM within specified period, failing which the permission granted for a period not exceeding 5 years shall deem to be withdrawn; and
- that as specified in Sub-Regulation (2) of Regulation 3 of the Regulations namely the Indian Medicine Central Council (Minimum Standard Requirements of Ayurveda Colleges and attached Hospitals) Regulations, 2012 read with amendment Regulations of 2013 ".....during which the college shall not be inspected, except for random checks on receipt of any complaint, or otherwise as deemed necessary either by the Central Government or by the Central Council of Indian Medicine. The Central Council shall visit the college *suo moto* three months before the expiry of permission".

Page 2 of 3

F.No. R-17011/184/2016-EP (IM-1)

:: 3 ::

5. The college shall maintain all the Requirements of infrastructure and teaching & training facilities as specified in the Indian Medicine Central Council (Minimum Standard Requirements of Ayurveda Colleges and attached Hospitals) Regulations, 2012 read with amendment Regulations, 2013, provisions of the IMCC Act, 1970 and relevant Regulations made thereunder *in toto* during the period of permission (i.e. up to 2020-21). As per the provisions of Sub-Regulation (2) of Regulation 3 of the MSR Regulations, 2012, the Central Council shall visit the college *suo moto* three months before the expiry of permission to verify the requisite infrastructure and facilities required under above mentioned Regulations by means of an inspection and shall submit a report to the Ministry of AYUSH for considering the permission matter from the academic session 2021-22.

6. This issues with the approval of Competent Authority.

(10/2) Yours faithfully,
14/10/16

(Ramendra Pratap Shukla)
Under Secretary to Government of India
Ph. No. 011-24651975

Copy to:

- i. The Secretary, CCIM, 61-65 Institutional Area, Opp. 'D' Block, Janakpuri, Delhi 110 058 for information with request to conduct a *suo moto* inspection of the college after 31st December, 2020 to verify the Requirements of infrastructure and teaching & training facilities in terms of the provisions under the IMCC Act, relevant regulations and norms of the CCIM and shall submit the recommendations and inspection report to the Ministry of AYUSH by the end of March, 2021 positively, so that the matter with regard to grant of permission from the academic session 2021-22 may be considered well before the start of academic session.
- ii. The Principal Secretary, Health & Family Welfare Department, Govt. of Rajasthan, Sachivalaya, Jaipur-302001, Rajasthan for information.
- iii. The Registrar, Dr. Sarvapalli Radhakrishnan Rajasthan Ayurved University, NH 65, Nagour Road, Karwar, Jodhpur- 342 037, Rajasthan for information.

(10/2) 14/10/16

(Ramendra Pratap Shukla)
Under Secretary to Government of India

10/06/2019